एशिया और प्रशांत प्रौद्योगिकी हस्तांतरण केंद्र (एपीसीटीटी)

1. प्रस्तावना

2. क्षमता निर्माण गतिविधियों में प्रमुख उपलब्धियां

सत्यमेव जयते

सत्यमेव जयते

एशिया और प्रशांत प्रौद्योगिकी हस्तांतरण केंद्र (एपीसीटीटी)

1. प्रस्तावना

विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवप्रवर्तन को स्थायी विकास के लिए 2030 एजेंडा के कार्यान्वयन के प्रमुख आधारों के रूप में स्वीकार किया गया है, जिसका उद्देश्य जलवायु परिवर्तन के प्रभावों का समाधान करते हुए गरीबी और भुखमरी का उन्मूलन करना है। एसडीजी, विशेष रूप से एसडीजी9 और 17 प्राप्त करने के संदर्भ में, एशिया और प्रशांत प्रौद्योगिकी हस्तांतरण केंद्र (एपीसीटीटी) सदस्य देशों को दक्षिण-दक्षिण, उत्तर-दक्षिण और त्रिपक्षी सहयोग के माध्यम से अपने राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रणाली (एनआईएस) तथा प्रौद्योगिकी हस्तांतरण क्षमता को सुदृढीकरण करने में सहायता प्रदान करता है। एपीसीटीटी की गतिविधियां प्रमुख एनआईसी घटकों - सरकारी नीति निर्माताओं, उद्योगों शैक्षणिक एवं अनुसंधान विकास (आर एवं डी) सिस्टम, प्रौद्योगिकी संवर्धन एजेंसियों तथा प्रौद्योगिकी हस्तांतरण एजेंसियों को राष्ट्रीय स्थायी विकास लक्ष्यों को हासिल करने में सहायता करता है।

(i) रिपोर्टाधीन अवधि में एपीसीटीटी का प्राथमिक ध्यान निम्नलिखित पर केंद्रित था:

(क) राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रणालियों का सुदृढ़ीकरण;

(ख) नैनो प्रौद्योगिकी, नवीकरणीय ऊर्जा जैसी नई एवं उभरती प्रौद्योगिकियों, और जलवायु अनुकूल कृषि प्रौद्योगिकियों का संवर्धन;

(ग) एसटीआई और प्रौद्योगिकी हस्तांतरण क्षमता निर्माण को समर्थन देना;

(घ) प्रकाशनों और ज्ञान उत्पादों के माध्यम से प्रौद्योगिकी सूचना उपलब्ध कराना;

(ड़) एसटीआई, सीमापार व्यापार और प्रौद्योगिकी हस्तांतरण में क्षेत्रीय सहयोग तथा नेटवर्किंग का संवर्धन।

(ii) वर्ष 2017 में एपीसीटीटी ने 27 साझेदार संस्थाओं के निकट सहयोग से 6 सदस्य देशों (जैसे की चीन, भारत, इस्लामिक गणराज्य ईरान, मलेशिया, फिलिपींस एवं थाइलैंड) में 12 मांग आधारित क्षमता निर्माण गतिविधियां आयोजित कीं और उनमें सक्रिय रूप से भाग लिया। इन गतिविधियों में अंतर्राष्ट्रीय/क्षेत्रीय सम्मेलन, सलाहकारी मंच और नीति-निर्माताओं पर लक्षित कार्यशालाएं तथा एसएमई, आर एंड डी संस्थाओं, प्रौद्योगिकी संवर्धन एजेंसियों और प्रौद्योगिकी हस्तांतरण एजेंसियों जैसे अन्य एसटीआई हितधारकों के लिए गतिविधियां शामिल थीं। गतिविधियों में 20 एशिया-प्रशांत सदस्य देशों, अर्थात बांग्लादेश, भूटान, कंबोडिया, चीन, भारत, इंडोनेशिया, इस्लामिक गणराज्य ईरान, जापान, कजाकिस्तान, लाओ पीडीआर, मलेशिया, म्यांमार, नेपाल, पाकिस्तान, फिलीपींस, कोरिया गणराज्य, सिंगापुर, श्रीलंका, थाइलैंड और वियतनाम से संसाधन व्यक्तियों ने भाग लिया जिन्होंने लक्षित प्रतिभागियों के साथ अपने क्षेत्र के ज्ञान, अनुभव और सर्वश्रेष्ठ विधियों को साझा किया। एशिया-प्रशांत क्षेत्र से बाहर के देशों, अर्थात बहरीन, लेबनान, मोरक्को, स्विटज़रलैंड, सीरिया और यूक्रेन के प्रतिभागी भी एपीसीटीटी गतिविधियों से लाभांवित हुए।

(iii) जैव प्रौद्योगिकी, खाद्य प्रसंस्करण, नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा, ओजोन लेयर संरक्षण और अवशिष्ट प्रबंधन पर एपीसीटीटी के ऑन लाइन प्रकाशनों 'एशिया-प्रशांत टेक

मॉनीटर एंड वेटिस अपडेट्स' में सदस्य देशों में, एसटीआई हितधारकों में नवीनतम प्रौद्योगिकीय जैव सूचना उपलब्धि कराया जाना जारी रखा गया। इन प्रकाशनों के माध्यम से केंद्र ने प्रौद्योगिकी रूझानों और विकासों, प्रौद्योगिकी नीतियों, प्रौद्योगिकी बाजार, नवप्रवर्तन प्रबंधन, प्रौद्योगिकी हस्तांतरण, केस स्टडीज, सर्वश्रेष्ठ विधियों और नवीनतम प्रौद्योगिकीय नवप्रवर्तनों का प्रसार किया।

(iv) इस अवधि के दौरान एपीसीटीटी ने खाद्य, जल, ऊर्जा हरित प्रौद्योगिकियों पर सदस्य देशों के क्षमता निर्माण पर विशेष ध्यान देते हुए स्थायी विकास के लिए 2030 एजेंडा की दिशा में योगदान दिया। कम विकसित देशों, (एलडीसी), जैसे की बांग्लादेश, भूटान, कंबोडिया, म्यांमार और नेपाल की प्रतिभागिता पर विशेष जोर दिया गया जो केंद्र की गतिविधियों से लाभान्वित हुए।

(v) एपीसीटीटी ने मई 2017 में ईएससीएपी के 73वें आयोग सत्र के अवसर पर 2017 से 2020 की अवधि के लिए शासी परिषद के सदस्यों के निर्वाचन का आयोजन किया। एपीसीटीटी का मेजबानी देश, भारत के साथ निम्नलिखित देशों को शासी परिषद के रूप में कार्य करने के लिए निर्वाचित किया गया: बांग्लादेश, चीन, फिजी आइलैंड, भारत, इंडोनेशिया, इस्लामी गणराज्य ईरान, कजाकिस्तान, मलेशिया, पाकिस्तान, फिलीपींस, कोरिया गणराज्य, श्रीलंका और थाइलैंड।

2. वर्ष 2017 में क्षमता निर्माण गतिविधियों में प्रमुख परिणाम

(क) *राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रणाली (एनआईएस) का सुदृढ़ीकरण*

(i) एपीसीटीटी ने सदस्य देशों की नवप्रवर्तन क्षमता को बढ़ाने, प्रौद्योगिकी हस्तांतरण और उसकी सुलभता को बढ़ावा देने, उद्यमों की प्रभावकारिता को बढ़ाने तथा नई प्रौद्योगिकियों और उद्यमशीलता को बढ़ावा देने हेतु उनके एनआईएस का सुदृढ़ीकरण करने के लिए उन्हें सहायता दी। रिपोर्टाधीन अवधि के दौरान आयोजित प्रमुख गतिविधियां निम्नानुसार हैं:

(क) *दिनांक 19-20 अप्रैल 2017 के दौरान नई दिल्ली, भारत में जल स्थायित्व के लिए विज्ञान, प्रौद्योगिकी, नवप्रवर्तन और प्रबंधन पर अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला:* एपीसीटीटी ने इस अंतराष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन राष्ट्रीय विज्ञान, प्रौद्योगिकी और विकास अध्ययन संस्थान (एनआईएसटीएडीएस), वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर), विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार की साझेदारी में किया। बांग्लादेश, भूटान, भारत, नेपाल और श्रीलंका से प्रतिनिधियों और विशेषज्ञों ने इसमें भाग लिया और एशिया प्रौद्योगिकी संस्थान (एआईटी), थाइलैंड, और एसडीजी ऐक्सीलेटर एशिया प्रशांत, सिंगापुर से संसाधन व्यक्तियों के साथ अपने सर्वश्रेष्ठ विधियों को साझा किया। जल क्षेत्र में कार्य कर रहे नीति-निर्माताओं, अनुसंधानकर्ताओं, विशेषज्ञों और व्यवसायिकों सहित 40 से भी अधिक प्रतिभागियों ने इस कार्यशाला में भाग लिया। प्रतिभागियों ने नवप्रवर्तनकारी प्रौद्योगिकियों पर, उनके वाणिज्यीकरण तथा प्रतिभागिता करने वाले देशों में वहनीय एवं स्वच्छ जल उपलब्ध कराने के लिए उनके उपयोग एवं वाणिज्यीकरण पर चर्चा की और सर्वश्रेष्ठ विधियों को साझा किया। स्थायी जल प्रबंधन के लिए नवप्रवर्तनकारी एवं वहनीय प्रौद्योगिकियों और विश्लेषणात्मक टूल्स के साथ-साथ उनके संभावित अनुप्रयोगों का प्रस्तुतीकरण किया गया।

(ख) *दिनांक 15-16 अक्तूबर, 2017 के दौरान फरीदाबाद, भारत में "एशिया और प्रशांत में जैव प्रौद्योगिकी शिक्षा, अनुसंधान और ज्ञान हस्तांतरण का संवर्धन" पर अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला:* एपीसीटीटी ने इस कार्यशाला का आयोजन संयुक्त राष्ट्र शिक्षा, वैज्ञानिक और सांस्कृतिक संवर्धन (यूनेस्को), यूनेस्को के क्षेत्रीय जैवप्रौद्योगिकी केंद्र (आरसीबी) और जैवप्रौद्योगिकी विभाग, विज्ञान प्रौद्योगिकी मंत्रालय भारत सरकार के साथ संयुक्त रूप से तथा शिक्षा, संस्कृति, विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय, जापान सरकार की साझेदारी में किया। कंबोडिया, इंडोनेशिया, भारत, जापान, लाओ पीडीआर, मलेशिया, म्यांमार, फिलीपींस, सिंगापुर, थाइलैंड, वियतनाम से प्रतिनिधियों और विशेषज्ञों ने जैवप्रौद्योगिकी शिक्षा और ज्ञान हस्तांतरण को बढ़ावा

देने में अपने अनुभवों तथा सर्वश्रेष्ठ विधियों को साझा किया। कार्यशाला में एशिया में यूनेस्को जैवप्रौद्योगिकी स्कूल और इसके कार्यक्रमों से ली गई सीखों, परिणामों तथा मुख्य परिणामों पर चर्चा की गई। विशेषज्ञों ने एशिया और प्रशांत क्षेत्रों में बहु-आयामी जैव प्रौद्योगिकीय अनुसंधान और वैज्ञानिक एकत्रीकरण के लिए आवश्यक कार्यप्रणालियों पर चर्चा की। चर्चाओं के दौरान एशिया और प्रशांत क्षेत्र में स्थायी विकास के लिए 2030 एजेंडा पर डिलिवर करने हेतु जैव प्रौद्योगिकी क्षेत्र के लिए प्राथमिकता वाली चुनौतियों और वर्तमान हॉट-स्पॉट पर प्रमुख सिफारिशों तथा महत्वपूर्ण अंतरालों एवं चुनौतियों को चिन्हित किया गया।

(ग) *दिनांक 28 नवंबर 2017 के दौरान मनीला, फिलीपिंस में स्थायी विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए हरित प्रौद्योगिकियों का अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन:* एपीसीटीटी इस अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन एपीसीटीटी की शासी परिषद (जीसी) के 13वें सत्र के उच्च स्तरीय सब्सांशियेटिव सेगमेंट के रूप में विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग के प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग और संवर्धन संस्थान (टीएपीआई-डीओएसटी), फिलीपींस की साझेदारी में करेगा। इस सम्मेलन में हरित प्रौद्योगिकियों के विकास, हस्तांतरण और अंगीकरण में अंतर्राष्ट्रीय सर्वश्रेष्ठ विधियों तथा प्राप्त सीखों पर चर्चा की जाएगी। इस प्रकार की प्रौद्योगिकियां प्राकृतिक संसाधनों के स्थायी प्रबंधन को सुनिश्चित करते हुए तथा विकास के 3 स्तंभों - सामाजिक, आर्थिक और पर्यावरण को संतुलित करते हुए आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

(ii) एपीसीटीटी ने सलाहकार बैठकों का आयोजन कर सदस्य देशों के क्षमता निर्माण में सहायता प्रदान की और सदस्य देशों तथा साझेदार संगठनों द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में भारी योगदान दिया।

(क) *दिनांक 9-10 अप्रैल 2017 के दौरान तेहरान, ईरान इस्लामी गणराज्य में विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवप्रवर्तन पर सलाहकार बैठकें:* ईरान इस्लामी गणराज्य सरकार के आमंत्रण पर एपीसीटीटी के प्रमुख ने विज्ञान, अनुसंधान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय में, ईरानी विज्ञान प्रौद्योगिकी अनुसंधान संगठन, ईरानी नवप्रवर्तन और प्रोस्पेरीटी फंड एवं पारडिस प्रौद्योगिकी पार्क सहित तेहरान में अनेक सलाहकार बैठकों का आयोजन किया गया। एपीसीटीटी के प्रमुख ने इस्लामिक-ईरानी प्रगति मॉडल केंद्र, जो कि ईरान का एक अग्रणी थिंक टैंक है, में भी एक व्याख्यान दिया और ईरानी नेताओं तथा एसटीआई हितधारकों के लिए नवप्रवर्तनकारी नीति एवं कार्यनीतियों पर सिफारिशें भी उपलब्ध करायीं।

(ख) *दिनांक 28 जुलाई 2017 को नई दिल्ली में भारत-वैश्विक कौशल सम्मेलन और प्रदर्शनी 2017:* एपीसीटीटी के प्रमुख ने राष्ट्रीय स्तर पर नवप्रवर्तनकारी उद्यमशीशला को बढ़ावा देने हेतु सरकार और कार्यनीतियों की भूमिका पर एक शीर्ष संबोधन दिया। सम्मेलन का आयोजन इंडस फाउंडेशन द्वारा कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय, भारत सरकार की साझेदारी में किया।

(ग) *दिनांक 15 सितंबर 2017 को नोएडा, उत्तर प्रदेश, भारत में "कौशल विकास और रोजगार सृजन" पर अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम:* एपीसीटीटी ने इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में सहभागिता की और प्रौद्योगिकी हस्तांतरण में क्षेत्रीय सहयोग को बढ़ावा देने पर एक तकनीकी प्रस्तुतीकरण दिया। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम एक वार्षिक घटनाक्रम है जिसका आयोजन श्रम और रोजगार मंत्रालय द्वारा किया जाता है और विदेश मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आईएलओ की साझेदारी में सहायता प्रदान की जाती है। श्रम मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों तथा 4 महाद्वीपों, अर्थात दक्षिण अमेरिका, यूरोप, अफ्रीका और एशिया का प्रतिनिधित्व करने वाले 30 से अधिक देशों के श्रमिक अधिकार संगठनों ने इस कार्यक्रम में सहभागिता करते हुए योगदान दिया।

ख. ***नैनो प्रौद्योगिकी, नवीकरणीय ऊर्जा जैसी नई एवं उभरती प्रौद्योगिकियों, और जलवायु अनुकूल कृषि प्रौद्योगिकियों का संवर्द्धन***

(i) एपीसीटीटी वर्ष 2011 से ऐसी गतिविधियों का कार्यान्वयन करता आ रहा है जिनका उद्देश्य सदस्य देशों में हितधारकों (अर्थात नीति-निर्माताओं, आर एवं डी संस्थाओं, अनुसंधानकर्ताओं और लघु मध्यम उद्यमों) की नैनो प्रौद्योगिकी आर एवं डी क्षमता को सबल बनाना है। एपीसीटीटी ने नैनो सुरक्षा पर एक क्षेत्रीय सलाहकार बैठक के साथ नैनो प्रौद्योगिकी पर एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया जिसका उल्लेख नीचे किया जा रहा है:

क. *दिनांक 2-4 मई 2017 के दौरान पुटराज्या, मलेशिया में प्रस्तावित आसियान नैनो सुरक्षा नेटवर्किंग प्लेटफार्म पर सलाहकार बैठक और सुरक्षित एवं स्थायी विकास के लिए नैनो प्रौद्योगिकी पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन:* एपीसीटीटी ने अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन राष्ट्रीय नैनो प्रौद्योगिकी केंद्र (एनएनसी), विज्ञान, प्रौद्योगिकी, नवप्रवर्तन मंत्रालय (एमओएसटीआई), मलेशिया सरकार की साझेदारी में किया। इस सम्मेलन में विशेषज्ञों ने क्षेत्र में, विशेष रूप से आसियान देशों के संदर्भ में नैनो प्रौद्योगिकी नवप्रवर्तन, अनुसंधान वाणिज्यीकरण, प्रौद्योगिकी हस्तांतरण, सुरक्षा एवं जोखिम अभिशासन जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में सीमापार देशों के सहयोग के क्षेत्रों को चिन्हित किया। इंडोनेशिया, पाकिस्तान, फिलीपिंस, मलेशिया, कोरिया गणराज्य, सिंगापुर, थाइलैंड और वियतनाम से विशेषज्ञों और संसाधन व्यक्तियों ने नैनो प्रौद्योगिकीय नीतियों, नवप्रवर्तन, कार्यनीतियों, अनुसंधान के वाणिज्यकीकरण, प्रौद्योगिकी हस्तांतरण, सुरक्षा एवं जोखिम अभिशासन पर ज्ञान की दृष्टि से योगदान दिया। इस सम्मेलन में हितधारक समूहों, यानी नीति-निर्माताओं, अनुसंधानकर्ताओं, उद्योग और नैनो प्रौद्योगिकी संवर्धन संगठनों से कुल 112 प्रतिभागियों ने भाग लिया। प्रतिभागिता करने वाले नीति-निर्माताओं और विशेषज्ञों ने आसियान देशों के हितधारकों के लिए एक नैनो सुरक्षा नेटवर्किंग प्लेटफार्म स्थापित करने, और कार्यपद्धतियों को सीमा पार देशों के साथ साझा करने में सुविधा प्रदान करने तथा जैस सुरक्षा से संबंधित क्रियाविधियों की जांच करने हेतु सिफारिशें कीं। अनुवर्तन के रूप में, वियतनाम ने थाइलैंड के नैनो-क्यू के आधार पर नैनो उत्पादों की लेबलिंग और प्रणाली विकसित करने हेतु क्षमता निर्माण विधियां चलाने के लिए एपीसीटीटी की सहायता का अनुरोध किया।

(ii) एशिया और प्रशांत में ऊर्जा सुरक्षा एवं स्थायी विकास के लिए नवीनीकरणों को बढ़ावा देने पर ईएससीएपी आयोग के संकल्प 64/3 के कार्यान्वयन को समर्थन देने हेतु केंद्र ने वर्ष 2010 में एशिया-प्रशांत नवीकरणीय ऊर्जा सहयोग नेटवर्क (आरईसीएपी) की स्थापना की। इस केंद्र का मुख्य जोर क्षेत्र में आर एवं डी संस्थाओं, विश्वविद्यालयों, उद्योगों तथा अन्य हितधारकों के बीच प्रशिक्षण, सहयोग तथा साझेदारियों को बढ़ावा देने के जरिए नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा प्रौद्योगिकियों से संबंधित परियोजनाओं के कार्यान्वयन में प्रतिभागिता करने वाले सदस्य देशों की क्षमता को मजबूती प्रदान करना है। आरईसीएपी की सदस्यता में 16 देश सदस्य हैं, नामत: बांग्लादेश, चीन, फिजी आइलैंड, भारत, इंडोनेशिया, इस्लामी गणराज्य ईरान, मलेशिया, मंगोलिया, नेपाल, पाकिस्तान, फिलीपींस, कोरिया गणराज्य, श्रीलंका, थाइलैंड, वानातू और वियतनाम। एपीसीटीटी ने नवीकरणीय ऊर्जा कार्यक्रम के भाग के रूप में, निम्नलिखित क्षेत्रीय परामर्शी बैठक का आयोजन किया।

(iii) एपीसीटीटी ने नई और नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में निम्नलिखित क्षमता निर्माण गतिविधियां आयोजित कीं:

क. दिनांक 28-29 जून 2017 के दौरान बैंकाक, थाइलैंड में जल-ऊर्जा-खाद्य नेक्सस के माध्यम से स्थायी विकास के लिए नवप्रवर्तन कार्यनीतियों पर क्षेत्रीय सलाहकार बैठक: एपीसीटीटी ने क्षेत्रीय सलाहकार बैठक का आयोजन ईएससीएपी व्यापार, निवेश और नवप्रवर्तन प्रभाग एवं ऊर्जा प्रभाग के सहयोग से रॉयल थाई सरकार के विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय के थाइलैंड विज्ञान और प्रौद्योगिकीय अनुसंधान संस्थान (टीआईएसटीआर) के साथ संयुक्त रूप से किया। इस बैठक में तकनीकी विशेषज्ञों, सरकारी अधिकारियों और निजी क्षेत्र के प्रतिनिधियों तथा अंतर-सरकारी एवं अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के पदाधिकारियों सहित 100 से अधिक तकनीकी विशेषज्ञों ने भाग लिया और जल, ऊर्जा तथा खाद्य संसाधनों के स्थायी प्रबंधन के लिए अवसरों, चुनौतियों पर चर्चा करते हुए कार्यनीतियों का सुझाव दिया। इस क्षेत्रीय सलाहकार बैठकों में जिन देशों ने प्रतिभागिता की

और योगदान दिया उनमें चीन, भारत, इंडोनेशिया, जापान, मलेशिया, फिलीपिंस, थाइलैंड और वियतनाम शामिल हैं।

ख. दिनांक 28-30 जून 2017 के दौरान बैंकाक, थाईलैंड में "एसडीजी और अन्यत एसडीजी के साथ इसकी इंटर-लिंकेज पर प्रगति" पर संगोष्ठी: एपीसीटीटी के प्रमुख ने संगोष्ठी में एपीसीटीटी क्षेत्रीय सलाहकार बैठक की प्राथमिक सिफारिशों और निष्कर्षों, "जल-खाद्य-ऊर्जा नेक्सस के माध्यम से स्थायी विकास के लिए नवप्रवर्तन कार्यनीतियां" का प्रस्तुतीकरण और उन्हें साझा किया। संगोष्ठी का आयोजन यूएन आर्थिक और सामाजिक कार्यविभाग, ईएससीएपी और संयुक्त राष्ट्र स्थायी विकास कार्यालय द्वारा 2018 उच्च-स्तरीय राजनीतिक मंच के समर्थन में किया गया।

(iv) जलवायु अनुकूल कृषि प्रौद्योगिकियों के क्षेत्र में, एपीसीटीटी ने स्थायी कृषि के माध्यम से गरीबी उन्मूलन केंद्र (सीएपीएसए) और स्थायी कृषि यांत्रिकीकरण केंद्र (सीएसएएम) की साझेदारी में "म्यांमार के शुष्क क्षेत्र में आजीविका सुधार के लिए एक एकीकृत ग्रामीण अर्थव्यवस्था और सामाजिक विकास कार्यक्रम" शीर्षक परियोजना का कार्यान्वयन पूरा किया। आजीविका और खाद्य सुरक्षा न्यास निधि (एलआईएफटी) के माध्यम से वित्तपोषित परियोजना ने आजीविका सुधार और खाद्य सुरक्षा पर विशेष ध्यान देते हुए समावेशी एवं स्थायी विकास के संदर्भ में, म्यांमार शुष्की क्षेत्र में एकीकृत सामाजिक एवं आर्थिक विकास को समर्थन दिया। इस केंद्र ने शुष्क क्षेत्र में लोगों की आजीविका और खाद्य सुरक्षा पहलुओं में सुधार लाने हेतु उन्नत एवं पर्यावरणीय रूप से उत्कृष्ट प्रौद्योगिकियों के हस्तांतरण में प्रमुख हितधारकों की क्षमताओं को सबल बनाने की दिशा में कार्य किया।

(v) एपीसीटीटी ने ग्रामीण विकास विभाग, कृषि, पशुधन और सिंचाई मंत्रालय एवं नेटवर्क गतिविधि समूह (एनएजी), जो कि स्थानीय गैर सरकारी संगठन है, की साझेदारी में परियोजना गतिविधियों का कार्यान्वयन किया जिनमें व्यापक विश्लेषण एवं क्षमता निर्माण पहलें शामिल थीं। म्यांमार में मूंग बीज गुणवत्ता नियंत्रण और किसानों की अगुवाई में बीज उद्यम विकास पर प्रशिक्षण कार्यक्रमों में कृषि विस्तार अधिकारियों, किसान संघों, गैर सरकारी संगठनों, नीति-निर्माताओं और निजी क्षेत्र की कंपनियों सहित विभिन्न प्रकार के हितधारकों का प्रतिनिधित्व करने वाले 50 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया। एपीसीटीटी ने म्यांमार में बीज उद्योग विकास के लिए मूल्य श्रृंखला के सुदृढ़ीकरण पर एक केस स्टडी तथा एक पॉलिसी ब्रीफ भी विकसित किया। परियोजना के सकारात्मक परिणामों के कारण नाशीजीवों और रोगों के प्रतिरोध के साथ कुल 59 उत्कृष्ट मूंग वंशावलियों को कृषि अनुसंधान विभाग (डीएआर), म्यांमार के ज्ञान साझेदार, विश्व सब्जी केंद्र (एवीआरडीसी) के माध्यम से हस्तांतरित किया गया। वर्तमान में, म्यांमार में परीक्षाणात्मक प्रयोग किए जा रहे हैं ताकि म्यांमार में छोटी भू-जोत वाले किसानों के हित में इन वंशावलियों से सर्वश्रेष्ठ जलवायु अनुकूल बीज किस्मों का चयन किया जा सके।

(vi) दिनांक 18-20 जूलाई 2017 के दौरान क्वालालांपुर, मलेशिया में आयोजित "अनुकूल कृषि के लिए आईसीटी के अनुप्रयोग पर विशेष ध्यान देते हुए कृषि प्रौद्योगिकी का हस्तांतरण" पर सीएपीएसए-एमएआरडीआई कार्यशाला: एपीसीटीटी ने "कृषि में नवप्रवर्तनों में सुविधा प्रदान करने हेतु सरकार की भूमिका" शीर्षक पर एक विस्तृत प्रस्तुतीकरण उपलब्ध कराया, जिसे कार्यशाला में प्रस्तुत किया जाना था।

ग. एसटीआई और प्रौद्योगिकी हस्तांतरण क्षमता निर्माण को समर्थन

(i) एपीसीटीटी ने "प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण टीओटी" कार्यप्रणालियों के माध्यम से सदस्य देशों के एसटीआई हितधारकों की प्रौद्योगिकी हस्तांतरण क्षमता को सबल बनाने में योगदान दिया है। जिन क्षेत्रों में सहयोग स्थापित किया गया, उनमें प्रौद्योगिकी हस्तांतरण परियोजनाओं की आयोजना एवं प्रबंध; एसएमई और उद्यमियों के लिए प्रौद्योगिकी हस्तांतरण सपोर्ट सेवाएं तथा प्रौद्योगिकी हस्तांतरण और वाणिज्यीकरण पर क्षमता निर्माण जैसे क्षेत्र शामिल थे। एपीसीटीटी ने सदस्य देशों में प्रमुख नोडल एजेंसियों की साझेदारी में विशिष्ट क्षेत्रों में बिजनेस-टू-बिजनेस बैठकों में सुविधा प्रदान की, सूचना पोर्टलों और प्रौद्योगिकी प्रकाशनों के माध्यम से प्रौद्योगिकी सूचना सेवाएं उपलब्ध कराईं, और सीमापार प्रौद्योगिकी-आधारित व्यवसाय एवं अनुसंधान सहयोग को बढ़ाने के लिए विशिष्ट क्षेत्रों में विशेषज्ञता प्राप्त प्रौद्योगिकी हस्तांतरण नेटवर्कों की स्थापना की। रिपोर्टाधीन अवधि के दौरान एपीसीटीटी ने निम्नलिखित क्षमता-निर्माण गतिविधियां आयोजित कीं।

(क) दिनांक 9-11 सितंबर 2017 विशाखापत्तनम, भारत में नवप्रवर्तनकारी उद्यमियों को सहायता और प्रौद्योगिकी हस्तांतरण में भूमिका पर अंतर्राष्ट्रीय नवप्रवर्तन महोत्सव और अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला: एपीसीटीटी ने इस अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन आंध्र प्रदेश, भारत और भारतीय नवप्रवर्तन संघ की साझेदारी में किया। कार्यशाला में प्रौद्योगिकी वाणिज्यीकरण, प्रौद्योगिकी हस्तांतरण और अंगीकरण में चुनौतियों और अवसरों, बौद्धिक संपदा अधिकारों के प्रबंधन और प्रौद्योगिकी हस्तांतरण और नवप्रवर्तन आधारित उद्यमशीलता के लिए नीतिगत फ्रेमवर्क पर चर्चा की गई। कार्यशाला में शैक्षिक संस्थाओं, अनुसंधान और विकास संस्थाओं, छोटे और मध्यम उद्यमों, आधारभूत नवप्रवर्तकों एवं उद्यमियों सहित 104 प्रतिभागियों ने भाग लिया। कार्यशाला में जिन अंतर्राष्ट्रीय प्रतिनिधिमंडलों ने भाग लिया, उनमें मध्यपूर्व और यूरोप के देशों के अतिरिक्त भारत, इंडोनेशिया, इस्लामिक गणराज्य ईरान, कजाकिस्तान और फिलीपींस में एपीसीटीटी के साझेदार संगठनों के वरिष्ठ प्रतिनिधि शामिल थे। भाग लेने वाले देशों में बांग्लादेश, बहरीन, भारत, लेबनान, चीन, गणराज्य कोरिया, इस्लामी गणराज्य ईरान, कजाकिस्तान, मोरक्को, पाकिस्तान, इंडोनेशिया, फिलीपींस, सिंगापुर, स्विट्जरलैंड, सीरिया और यूक्रेन शामिल थे।

(ख) दिनांक 1-3 नवंबर 2017 के दौरान गाजियाबाद, भारत में प्रौद्योगिकी वाणिज्यीकरण और हस्तांतरण पर कार्यशाला: एपीसीटीटी ने भारत सरकार के वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर-एचआरडीसी) के मानव संसाधन विकास केंद्र के साथ साझेदारी में कार्यशाला का आयोजन किया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम ने प्रौद्योगिकी हस्तांतरण और वाणिज्यीकरण पर समझ और व्यावहारिक ज्ञान को और अधिक गहरा किया है। इस कार्यशाला में वैज्ञानिकों, व्यवसाय विकास प्रबंधकों और प्रौद्योगिकी संवर्द्धन एजेंसियों सहित भारत के सभी भागों से सीएसआईआर अनुसंधान संस्थानों के साथ-साथ भारत में रूसी संघ के दूतावास के 35 प्रतिनिधियों ने भाग लिया। कार्यशाला को वीडियो सम्मेलन के माध्यम से भी प्रसारित किया गया था और भारत में फैले सीएसआईआर संस्थानों के कई वैज्ञानिकों और अनुसंधान एवं विकास प्रबंधकों ने इसमें सक्रिय रूप से भाग लिया और विचार-विमर्श में योगदान दिया।

(ii) एपीसीटीटी ने सदस्य देशों, साझेदार संगठनों और ईएससीएपी के प्रभागों द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में महत्वपूर्ण योगदान देकर प्रौद्योगिकी हस्तांतरण के क्षेत्रों में सक्रिय रूप से सदस्य देशों के क्षमता-निर्माण में सहायता प्रदान की:

(i) दिनांक 9 जनवरी 2017 को नई दिल्ली में 'आईपी और नवप्रवर्तन के इष्टतमीकरण हेतु एक उपकरण के रूप में प्रौद्योगिकी हस्तांतरण' पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी।

(ii) दिनांक 12-14 जून 2017 के दौरान कुनमिंग, चीन में 2017 दक्षिण और दक्षिण पूर्व-एशिया प्रौद्योगिकी हस्तांतरण मेकमेकिंग सम्मेलन।

(iii) दिनांक 18-19 सितंबर 2017 के दौरान कोलंबो, श्रीलंका में एशिया और प्रशांत अर्थव्यवस्थाओं के लिए व्यापार और पर्यावरण पर डब्ल्यूटीओ-ईएससीएपी क्षेत्रीय कार्यशाला।

घ. प्रकाशनों के माध्यम से प्रौद्योगिकी सूचना प्रदान करना

(i) एपीसीटीटी प्रवृत्तियों की पहचान करने, सर्वश्रेष्ठ विधियों और विधियों को उजागर करने तथा क्षेत्रीय सहयोग को बढ़ावा देने के लिए ऑनलाइन पत्रिकाओं को प्रकाशित करता है और क्षेत्रीय प्रासंगिकता के मानक और विश्लेषणात्मक अध्ययन करता है। अनुबंध I रिपोर्टाधीन अवधि के दौरान एपीसीटीटी के प्रकाशनों और विश्लेषणात्मक परिणामों की एक सूची दी गई है।

(ii) एपीसीटीटी ऑनलाइन-पत्रिकाओं (www.techmonitor.net) एशिया-प्रशांत टेक मॉनिटर को प्रकाशित करता है। टेक मॉनिटर में प्रौद्योगिकी के रुझानों और विकासों, प्रौद्योगिकी नीतियों, प्रौद्योगिकी बाजार, नवप्रवर्तन प्रबंधन, प्रौद्योगिकी हस्तांतरण और नए उत्पादों एवं पक्रमों पर आलेख प्रकाशित करता है।

(iii) एपीसीटीटी ने इस रिपोर्टाधीन अवधि के दौरान टेक मॉनीटर के 4 अंक प्रकाशित किए। चार विशेष विषयों पर विशिष्ट आलेख हैं: डिजिटल प्रौद्योगिकी और अर्थव्यवस्था आधारित समावेशी विकास (अक्टूबर-दिसंबर 2016); स्थायी ऊर्जा प्रौद्योगिकिया: वर्ष 2017 में आयोजित 73 वें ईएससीएपी आयोग सत्र के शीर्षक के समर्थन में एशिया और प्रशांत (जनवरी-मार्च 2017) की चुनौतियां और अवसर; एशिया-प्रशांत (अप्रैल-जून 2017) में एसडीजी प्राप्त करने के लिए विज्ञान प्रौद्योगिकी और नवप्रवर्तन; और सुरक्षित और स्थायी जल के लिए नवप्रवर्तन, प्रौद्योगिकी हस्तांतरण और प्रबंधन (जुलाई-सितंबर

2017)। टेक मॉनिटर के चार विशेष अंकों में चीन, भारत, इंडोनेशिया, जापान, मलेशिया, पाकिस्तान, फिलीपींस, श्रीलंका, थाइलैंड, यूनाइटेड किंगडम और वियतनाम जैसे 11 देशों के 28 लेखकों/विशेषज्ञों के योगदानों के 17 आलेख शामिल हैं। इन आलेखों में विभिन्न विशेष विषयों के संबंध में डाटा और विश्लेषण प्रस्तुत किया गया था और क्षेत्र और उससे बाहर के देशों के अनेक केस स्ट्डीज तथा सर्वश्रेष्ठ विधियों को शामिल किया गया था।

(iv) टेक मॉनिटर अंकों में कई नए और उभरते हुए क्षेत्रों, जैसे कि जैवप्रौद्योगिकी, स्थायी/ नवीकरणीय ऊर्जा प्रौद्योगिकियां, जैवप्रौद्योगिकी और जल प्रौद्योगिकियों में पूरे विश्व से लगभग 60 नवीनतम प्रौद्योगिकीय नवप्रवर्तनों के बारे में सूचना भी प्रकाशित की गई थी। एशिया-प्रशांत देशों से प्रौद्योगिकी नीति और बाज़ार संबंधी समाचारों का संकलन कर टेक मॉनिटर अंकों के माध्यम से प्रसार किया गया। एसएमई के लिए मार्गदर्शिका, उपयोगी सर्वश्रेष्ठ विधियां और युक्तियां उपलब्ध करने वाले लगभग 40 लघु आलेखों का टेक मॉनिटर के 'बिजनेस कोच' खंड के माध्यम से प्रसार किया गया। इस पत्रिका के माध्यम से केंद्र ने बंगलादेश, चेक गणराज्य, चीन, फ्रांस, हंगरी, भारत, इस्लामी गणराज्य ईरान, पोलैंड, श्रीलंका, थाइलैंड और यूनाइटेड किंगडम जैसे 11 देशों से 66 चयनित प्रौद्योगिकी प्रस्तावों और प्रौद्योगिकी अनुरोधों का प्रसार किया।

(v) एपीसीटीटी अन्य पत्रिकाओं को भी प्रकाशित करता है, जैसे कि जैवप्रौद्योगिकी, खाद्य प्रसंस्करण, नई और नवीकरणीय ऊर्जा अवशिष्ट प्रबंधन (सभी त्रैमासिक), और ओजोन लेयर सरंक्षण (द्वि-मासिक) पर मूल्यवर्धित प्रौद्योगिकी सूचना सेवा (वीएटीआईएस) अपडेट। वीएटीआईएस अपडेट में नवीनतम प्रौद्योगिकीय नवप्रवर्तनों, प्रौद्योगिकी नीतियों और बाजार संबंधी विकासों, हाल ही के प्रकाशनों और कार्यक्रमों पर प्रौद्योगिकीय सूचना की एक श्रृंखला होती है। दिसंबर 2016 में आयोजित बारहवीं गवर्निंग काउंसिल में लिए गए निर्णयों के अनुसरण में, खाद्य प्रसंस्करण, ओजोन लेयर संरक्षण और अवशिष्ट प्रबंधन पर वीएटीआईएस पत्रिकाओं का जनवरी 2017 से प्रकाशन बंद कर दिया गया।

(vi) एपीसीटीटी ने वीएटीआईएस अपडेट के 11 अंकों को प्रकाशित किया, जिनमें संभावित व्यावसायिक अनुप्रयोगों और महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकिय घटनाक्रमों के साथ 300 से अधिक नवीनतम प्रौद्योगिकी नवप्रवर्तनों पर सूचना का प्रसार किया गया था। वीएटीआईएस (जैव प्रौद्योगिकी) को जैव प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार के बायोटेक कंसोर्टियम ऑफ इंडिया लिमिटेड (बीसीआईएल) के साथ भागीदारी में प्रकाशित हुई थी किया गया था।

(vii) एपीसीटीटी के पत्रिकाओं को सदस्य देशों के 2200 से अधिक सब्सक्राइबरों के साथ साझा किया गया। इन सब्सक्राइबरों में हितधारक, साझेदार संगठन, इवेंट प्रतिभागी और एसएमई, उद्योग, शैक्षणिक संस्थानों, इनक्यूबेटर, प्रौद्योगिकी उद्यमों आदि के प्रतिनिधि शामिल हैं। दिसंबर 2016 से अक्टूबर 2017 की अवधि के दौरान टेक मॉनिटर और वीएटीआईएस पत्रिकाओं की मांग करने वालों में 3500 आगंतुक थे और 11,340 पेज व्यूक देखे गए। केंद्र ने फेसबुक और ट्विटर जैसे सोशल मीडिया प्लेटफार्मों के माध्यम से ई-पत्रिकाओं का भी प्रसार किया।

ड. एसटीआई, सीमा पार व्यापार और प्रौद्योगिकी हस्तांतरण में क्षेत्रीय सहयोग और नेटवर्किंग का संवर्द्धन - कम विकसित देशों के विशेष संदर्भ में

(i) एपीसीटीटी ने इस रिपोर्टाधीन अवधि के दौरान आयोजित गतिविधियों में कम विकसित देशों (एलडीसी), अर्थात बांग्लादेश, भूटान, कंबोडिया, म्यांमार और नेपाल की भागीदारी का समर्थन किया। एपीसीटीटी ने आजीविका सुधार और खाद्य सुरक्षा पर विशेष जोर देते हुए समावेशी और स्थायी विकास के संदर्भ में, म्यांमार शुष्क क्षेत्र में एकीकृत सामाजिक-आर्थिक विकास का समर्थन करने के लिए एक परियोजना का कार्यान्वयन किया। केंद्र ने म्यांमार के शुष्क क्षेत्र में लोगों की आजीविका और खाद्य सुरक्षा पहलुओं को बेहतर बनाने हेतु एसएमई के लिए उन्नत और पर्यावरण की दृष्टि से उत्कृष्ट प्रौद्योगिकियों के हस्तांतरण में प्रमुख हितधारकों की क्षमता को सबल बनाने की दिशा के कार्य लिए कार्य किया। एपीसीटीटी ने जल-ऊर्जा-खाद्य नेक्सस, हरी प्रौद्योगिकियों और स्थायी जल प्रबंधन के

क्षेत्र में एलडीसी देशों में नवप्रवर्तन पारिस्थितिक तंत्रों को मजबूत बनाने पर विशेष रूप से केंद्रित रहते हुए क्षमता निर्माण कार्यक्रमों का भी आयोजन किया।

(ii) ईएससीएपी-डब्लूआईपीओ 'एशिया और प्रशांत क्षेत्र में कम विकसित देशों (एलडीसी) के नवप्रवर्तन और प्रौद्योगिकी क्षमता निर्माण पर दिनांक 6-7 नवंबर 2017 को बैंकाक, थाइलैंड में क्षेत्रीय आयोजित बैठक': क्षेत्रीय बैठक का आयोजन ईएससीएपी के व्यापार, निवेश नवप्रवर्तन प्रभाग, और विश्व बौद्धिक संपदा संगठन द्वारा किया गया था। एपीसीटीटी ने इस्तानबुल कार्ययोजना फ्रेमवर्क के तहत एशिया और प्रशांत क्षेत्र में प्रौद्योगिकी हस्तांतरण के क्षेत्र में पर्याप्त रूप से योगदान दिया। बैठक में डब्लूआईपीओ, ईएससीएपी, एपीसीटीटी के विशेषज्ञों और भूटान, कंबोडिया, लाओ पीडीआर, मलेशिया, म्यांमार तथा नेपाल देश के प्रतिनिधियों एवं विशेष सहित 27 प्रतिभागियों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम ने एशिया-प्रशांत क्षेत्र के प्रमुख एलडीसी को प्रौद्योगिकी हस्तांतरण और बौद्धिक संपदा क्षमता निर्माण के महत्वपूर्ण क्षेत्रों में अपने देश के अनुभवों, चुनौतियों, जरूरतों और अवसरों को साझा करने के लिए एक मंच प्रदान किया। बैठक में जो मुख्य सिफारिशें की गई उनमे : (क) नवप्रवर्तन और प्रौद्योगिकी क्षमता के निर्माण एवं बौद्धिक संपदा प्रणाली के उपयोग में क्षेत्र के एलडीसी की प्राथमिकता आवश्यकताओं की पहचान करना; (ख) एलडीसी को राष्ट्रीय नवप्रवर्तन संस्थानों को विकसित करने में उनके प्रयास में समर्थन करना; (ग) क्षेत्र के एलडीसी की नीति, तकनीकी और संस्थागत आवश्यकताओं का मूल्यांकन करने हेतु एक मंच उपलब्ध कराना; और (घ) डब्ल्यूआईपीओ, एलडीसी तथा संबंद्ध क्षेत्रीय एवं उप-क्षेत्रीय संगठनों और संस्थाओं को शामिल कर आवश्यकता आधारित सहयोग कार्यक्रमों और सामरिक सहयोग कार्यक्रमों में समानताओं का अधिकतमीकरण और उनका लाभ उठाना।

च. ईएससीएपी कार्यक्रमों और प्रभागों के साथ सहयोग

उपरोक्तर खंडों में पहले से वर्णित सहयोग के अलावा, एपीसीटीटी ने रिपोर्टाधीन अवधि के दौरान ईएससीएपी के विभिन्न प्रभागों के साथ सहभागिता की और सहयोग किया:

- दिनांक 15-19 मई 2017 के दौरान बैंकाक, थाइलैंड में ईएससीएपी का 73वां आयोग सत्र।
- स्थांयी कृषि के माध्यम से गरीबी उन्मूलन केंद्र (सीएपीएसए) और स्थालयी कृषि यंत्रिकीकरण (सीएसएएम)।
- यूएन विकास अकाउंट 10वीं ट्रांचे परियोजना, एशिया-प्रशांत क्षेत्र में विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवप्रवर्तन नीतियों के लिए दक्षिण-दक्षिण सहयोग।

छ. यूएन संगठनों, अंतर्राष्ट्रीय संगठनों और अन्य भागीदारों के साथ सहयोग

(i) इस रिपोर्टाधीन अवधि के दौरान, एपीसीटीटी ने क्षमता-निर्माण गतिविधियों का कार्यान्वयन करते हुए यूनेस्को, डब्ल्यूआईपीओ, डब्ल्यूटीओ सहित कई संयुक्त राष्ट्र एजेंसियों और अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के साथ कार्य किया गया, जैसा कि नीचे दर्शाया गया है:

क. यूएनडीपी और यूएन कंट्री टीम (यूएनसीटीटी): एपीसीटीटी ने दिनांक 24 अक्टूबर 2017 को नई दिल्ली में आयोजित यूएन दिवस समारोह की योजना और संगठन के लिए यूएन कंट्री टीम (यूएनसीटी) को सहायता दी।

ख. प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड (टीडीबी), भारत सरकार: एपीसीटीटी ने टीडीबी में नए संपर्क स्थापित किए और अन्य क्षेत्रों के साथ कृषि, स्वास्थ्य और स्वच्छता, जैव-प्रौद्योगिकी, अवशिष्ट प्रबंधन, नवीकरणीय ऊर्जा, नैनो प्रौद्योगिकी के क्षेत्रों में नवप्रवर्तनकारी प्रौद्योगिकियों के क्षेत्र में, उनके वाणिज्यीकरण और प्रौद्योगिकी हस्तांतरण के क्षेत्र में सहयोग की संभावनाओं का पता लगाया।

ग. ऊर्जा और संसाधन संस्थान (टीईआरआई), भारत: एपीसीटीटी ने टीईआरआई के महानिदेशक के साथ एक बैठक की और भावी सहयोग के क्षेत्रों का पता लगाया। टीईआरआई ऊर्जा, पर्यावरण और प्राकृतिक संसाधनों में कार्यरत गैर-लाभकारी वैश्विक थिंक टैंक है। एपीसीटीटी ने नवीकरणीय ऊर्जा में टीईआरआई के साथ कार्य किया और बैठक में हरित प्रौद्योगिकी को बढ़ावा देने के साथ-साथ सदस्य देशों के हित में नए एवं उभरते प्रौद्योगिकीय क्षेत्रों में ज्ञान संयुक्त रूप

से नेटवर्क स्थापित करने के लिए सहयोग की संभावनाओं का पता लगाया।

घ. वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर), भारत सरकार का मानव संसाधन विकास केंद्र (एचआरडीसी): एपीसीटीटी टीम ने वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर), गाजियाबाद, भारत के मानव संसाधन विकास केंद्र (एचआरडीसी) का दौरा किया, और सहयोग और संयुक्त गतिविधियों के लिए क्षेत्रों का पता लगाया। चर्चाएं इस बात पर केंद्रित थीं कि एपीसीटीटी, सीएसआईआर-एचआरडीसी को सीमा पार प्रौद्योगिकी हस्तांतरण परियोजनाओं के नियोजन और प्रबंध में सीएसआईआर संस्थानों की क्षमताओं को सबल बनाने हेतु किस प्रकार की सहायता दे सकता है। सीएसआईआर और ईएससीएपी के बीच एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) में प्रवेश करने की संभावनाओं पर भी विचार-विमर्श किया गया, क्योंकि यह संपूर्ण सीएसआईआर प्रणाली के लिए एपीसीटीटी द्वारा पेशकश की गई विस्तृत सेवाओं से लाभान्वित होगा।

ड. यूके की सरकार: एपीसीटीटी ने एशिया प्रशांत क्षेत्र में प्रौद्योगिकी नवप्रवर्तन, हस्तांतरण और क्षमता निर्माण के क्षेत्रों पर सामरिक बहुपक्षीय भागीदारी के लिए ब्रिटिश उच्चायोग, नई दिल्ली के साथ चर्चाएं शुरू कीं।

ज. संसाधन एकत्रीकरण गतिविधियां

(i) एपीसीटीटी ने रिपोर्टाधीन अवधि के दौरान निम्नलिखित संसाधन एकत्रीकरण प्रयास किए:

क. यूएन विकास अकाउंट 11 वीं ट्रांचे परियोजना, 'एशिया-प्रशांत क्षेत्र में सतत विकास के लिए 2030 एजेंडे के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए साक्ष्य-आधारित नीति': एपीसीटीटी ने एक संकल्पना नोट बनाया और ईएससीएपी के व्यापार, निवेश और नवप्रवर्तन प्रभाग (टीआईआईडी) के साथ यूएन विकास अकांउट से वित्तपोषण के लिए एक परियोजना प्रस्ताव तैयार किया। इस परियोजना का मुख्य उद्देश्य साक्ष्य आधारित नवप्रवर्तन नीति तैयार करने के लिए दक्षिण एशिया और दक्षिण पूर्व एशिया में कम विकसित देशों की क्षमता को मजबूत करना है। वर्ष 2018 से 2021 की अवधि के दौरान इस परियोजना को टीआईआईडी और एपीसीटीटी द्वारा संयुक्त रूप से कार्यान्वित किया जाना है।

ख. एक परियोजना के लिए संकल्पना नोट, 'एशिया और प्रशांत क्षेत्र में प्राकृतिक संसाधनों और एसडीजी के कार्यान्वयन के स्थायी प्रबंधन के लिए पर्यावरणीय दृष्टि से उत्कृष्ट प्रौद्योगिकियां': एपीसीटीटी ने एसआरओ ईएनईए, चीन क्लीनर प्रोडक्शन केंद्र, टिसिंग हुआ विश्वविद्यालय, यूएनआईडीओ पर्यावरण और भारतीय वाणिज्य एवं उद्योग परिसंघ की साझेदारी में पर्यावरण और विकास प्रभाग के साथ चीन-ईएससीएपी सहयोग कार्यक्रम से वित्तपोषण के विचारार्थ संयुक्त रूप से संकल्पना नोट तैयार किया।

ग. संकल्पना नोट, 'एशिया-प्रशांत क्षेत्र में पीपीपी के माध्यम से प्रौद्योगिकी वाणिज्यीकरण का संवर्द्धन': एपीसीटीटी ने विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार के वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग (डीएसआईआर) से वित्तपोषण के विचारार्थ एक परियोजना संकल्पना विकसित की।

घ. संकल्पना नोट, 'एशिया-प्रशांत क्षेत्र (चरण -1) में देशों में जैव प्रौद्योगिकी क्षेत्र में प्रौद्योगिकी हस्तांतरण और नवप्रवर्तन को सुदृढ़ बनाने के लिए एशियाई जैव प्रौद्योगिकी अनुसंधान वाणिज्यीकरण और ज्ञान हस्तांतरण नेटवर्क की स्थापना': एपीसीटीटी ने विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार के जैव प्रौद्योगिकी विभाग (डीबीटी) से संभावित वित्तपोषण सहायता के लिए एक संकल्पना नोट तैयार किया।

ड. एक परियोजना, 'एसडीजी हासिल करने के लिए प्रौद्योगिकी हस्तांतरण - हरित प्रौद्योगिकियों के विशेष संदर्भ के साथ प्रभावीकारी प्रौद्योगिकी हस्तांतरण नीतियां तैयार करने के लिए मध्य एशियाई देशों का क्षमता निर्माण' के लिए संकल्पना नोट: एपीसीटीटी ने उत्तर और मध्य एशिया ईएससीएपी उप-कार्यालय के साथ

रूसी फेडरेशन ग्लोबल फंड से वित्तपोषण के लिए एक संकल्पना नोट तैयार किया।

च. एक जूनियर प्रोफेशनल ऑफिसर (जेपीओ, एसोसिएट एक्सपर्ट) के लिए अनुरोध: एपीसीटीटी ने संयुक्त राष्ट्र के जेपीओ कार्यक्रम हेतु विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवप्रवर्तन नीति में जेपीओ के लिए अनुरोध प्रस्तुत किया।

झ. डिजिटल आउटरीच

एपीसीटीटी अपने कार्यक्रम और गतिविधियों की बाह्य हितधारकों तक पहुंच बनाने के अपने आईसीटी संसाधनों और टूल्स का उपयोग करता है। केंद्र ने अपनी गतिविधियों और कार्यक्रम के परिणामों के बारे में सूचना का प्रसार करने के लिए डिजिटल संचार चैनलों का इस्तेमाल किया, जैसे कि ट्विटर (twitter.com/UNAPCTT), फेसबुक (facebook.com/ UNAPCTT) और लिंक्ड-इन (एशिया और प्रशांत में आरई मैपिंग)। अपनी प्रभावशीलता और पहुंच को बढ़ाने के लिए एपीसीटीटी, ईएससीएपी सोशल मीडिया साइटों के माध्यम से भी सूचना का प्रसार करता है।